Printed Pages : 3

B.A. B.Ed. (Part-I) EXAMINATION, 2021

Class:- B.A. B.Ed.–I

Subject:- हिन्दी द्वितीय

(कहानी और गद्य की अन्य विधाएँ)

Paper:– II

Time Allowed : 1½ Hours

Maximum Marks : 50

नोट : 1. परीक्षार्थी को कुल 50 अंकों के प्रश्नों को हल करने है।

2. प्रत्येक खण्ड से प्रश्न हल करने की बाध्यता नहीं है।

3. यदि किसी प्रश्न में विकल्प दिये गये है तो विकल्प को पृथक् प्रश्न मानकर हल कर सकते है।

खण्ड–अ

Q.1. निम्नांकित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ? – 10 अंक

(i) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की तीन कहानियों के नाम लिखिए ?

(ii) प्रेमचंद उर्दू में किस नाम से लिखते थे ?

(iii) प्रेमचंद के समकालीन दो कहानीकारों के नाम लिखिए ?

(iv) सचेतन कहानी को परिभाषित कीजिए ?

(v) संस्मरण और रेखाचित्र में क्या अन्तर है ?

(vi) यात्रा साहित्य के दो लेखकों का नाम बताइये ?

(vii) नयी कहानी को परिभाषित कीजिए ?

(viii) मनोविश्लेषणवादी कहानी का अर्थ बताइये ?

https://www.pdusuonline.com

(ix) दो मार्क्सवादी कहानीकारों के नाम लिखिए ?

(x) निर्मल वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

खण्ड–ब

Q.2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– — 5 अंक

अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग ! तुम्हें याद है, एक दिन तांगे वाले का घोड़ा दहीवाले की दुकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाये थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठाकर दुकान के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना, यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।"

Q.3. गदल बैठ गई। कहा "जब छोटी थी, तभी मेरा देवर लट्ठ बाँध मेरे खसम के साथ आया था। इसी के हाथ देखती रह गई थी मैं तो। सोचा था मरद है, इसीकी छत्तर–छाया में जी लूँगी। बताओ, पटेल, वह ही जब मेरे आदमी के मरने के बाद मुझे न रख सका, तो क्या करती ? अरे, मैं न रही, तो इनसे क्या हुआ ? दो दिन में काका उठ गया न ? इनके सहारे मैं रहती तो क्या होता ?" — 5 अंक

Q.4. यह जागा कवि अशेष छविधर

इसका स्वर भर भारती मुक्त होएँगी

.....

तम के अमार्ज्य रे तार–तार

जो, उन पर पड़ी प्रकाश धार

जग वीणा के स्वर के बहार रे जागो;

इस पर अपने कारूणिक प्राण

कर लो समक्ष देदीप्यमान–

दे गीत विश्व को रूको, दान फिर माँगो। — 5 अंक

https://www.pdusuonline.com

Q.5. सूरज डूबने लगा और धीरे–धीरे ग्लेशियरों में पिघली केसर बहने लगा। बर्फ कमल के लाल फूलों में बदलने लगी, घाटियाँ गहरी नीली हो गई। अन्धेरा होने लगा तो हम उठे और मुँह–हाथ धोने और चाय पीने में लगे। पर सब चुपचाप थे, गुमसुम जैसे सबका कुछ छिन गया हो, या शायद सबको कुछ ऐसा मिल गया हो, जिसे अन्दर ही अन्दर सहेजने में सब आत्मलीन हो अपने में डूब गए हों। – 5 अंक

Q.6. " 'पाजेब' कहानी बाल मनोविज्ञान पर आधारित एक मार्मिक रचना है।" सिद्ध कीजिए ? 5 अंक

Q.7. "ठिठुरता हुआ गणतंत्र" में व्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ? 5 अंक

Q.8. 'दाज्यू' कहानी की मूल संवेदना लिखिए ? 5 अंक

Q.9. कहानीकार जयशंकर प्रसाद के कृतित्व पर प्रकाश डालिए ? 5 अंक

खण्ड–स

Q.10. हिन्दी कहानी के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए ? 10 अंक

Q.11. कहानी तत्वों के आधार पर 'नमक का दरोगा' कहानी की समीक्षा कीजिए ? 10 अंक

Q.12. 'बसन्त का अग्रदूत' संस्मरण के आधार पर निराला की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ? 10 अंक

Q.13. महादेवी वर्मा के 'सोना' रेखाचित्र की समीक्षा कीजिए ? 10 अंक

https://www.pdusuonline.com